अंकेक्षण साक्ष्यों पर अन्य मानक

SA-505

बाह्य पुष्टिकरण

प्रश्नः 01 बाह्य पुष्टिकरण से आप क्या समझते हैं?

उत्तरः बाह्य पुष्टिकरण एक ऐसी विशेष मद के बारे में सूचना प्राप्त करने हेतु प्रत्युत्तर में तृतीय पक्षकार से एक प्रत्यक्ष संचार के माध्यम से अंकेक्षण साक्ष्यों की प्राप्ति तथा मुल्यांकन की प्रक्रिया होती है जो वित्तीय विवरणों में प्रबंध द्वारा दी गई अभिव्यक्तियों को प्रभावित करती है बाह्य सम्पुष्टियों को खातों शेषों तथा उनके खण्डों के संबंध में निरन्तर काम में लाया जाता है, परन्तु इन मदों को सीमित करने की आवश्यकता नहीं होती है। उदाहरण के लिए अंकेक्षण लेन–देनों अथवा समझौतो की ऐसी शर्तो की बाहरी सम्पुष्टि के लिए प्रार्थना कर सकता है जो संस्था ने तृतीय पक्षकारों के साथ किए है बाह्य सम्पुष्टि आवेदन को यह पूछने के लिए अभिकल्पित किया जाता है कि क्या ठहराव में कोई संशोधन किया गया है यदि ऐसा किया गया है तो उनसे सम्बन्धित विवरण ऐसी परिस्थितियों को काम में लाया जा सकता है निम्न का समावेश करती है।

1. बैंक शेष तथा बैंकर्स से अन्य सूचनाएँ
2. खाता प्राप्य शेष
3. तृतीय पक्षकार द्वारा रखा स्टॉक
4. सम्पत्ति अधिकार सलेख जिसे तृतीय पक्षकार द्वारा धारित किया गया है
5. खरीदे गए निवेश लेकिन डिलेवरी नहीं ली गई
6. ऋण–दाताओं से ऋण
7. लेनदारों के खाता शेष
8. लम्बे समय से बकाया अंश आवेदन राशि

प्रश्नः 02 SA-510 द्वारा सुझाया गया प्रारूप क्या हैं?

उत्तरः अंकेक्षक सकारात्मक अथवा नकारात्मक के बाह्य पुष्टियों अथवा दोनों के एक संयोजन का प्रयोग कर सकता है। एक सकारात्मक बाह्य सम्पुष्टि आवेदन उत्तरदाता से यह कह सकता है कि या तो निर्दिष्ट सूचना के साथ उत्तरदाता की सहमति को इंगित करके या उत्तरदाता से सूचनाएँ भरने के लिए कहकर वह सभी मामलों में अंकेक्षक को उत्तर दे जब व्यक्तिगत खाता शेष कॉपी कमजोर हो अथवा जहॉ आन्तरिक नियंत्रण कमजोर हो अथवा जहॉ अंकेक्षक के पास यह विश्वास करने के कारण हो कि खाते बड़ी मात्रा में विवाद में हो सकते है अथवा गलत अथवा अनियमित हो सकते है तो उस स्थिति में सकारात्मक पुष्टिकरण के प्रयोग को ही प्राथमिकता दी जाती है। एक नकारात्मक बाह्य सम्पुष्टि आवेदन केवल उन सूचनाओं के प्रति असहमति की दशा में उत्तर देने के लिए कहता है जिन्हें आवेदन में दिया गया है। नकारात्मक सम्पुष्टिकरण आवेदन सामान्यतः सकारात्मक पुष्टिकरण आवेदन की तुलना में कम विश्वसनीय होते है। तथा अंकेक्षक नकारात्मक सम्पुष्टियों के उपयोग को पूरा करने के लिए अन्य सम्पुष्ट प्रविधियों के निष्पादन कर विचार करता है।

CA Ascom Trivedi